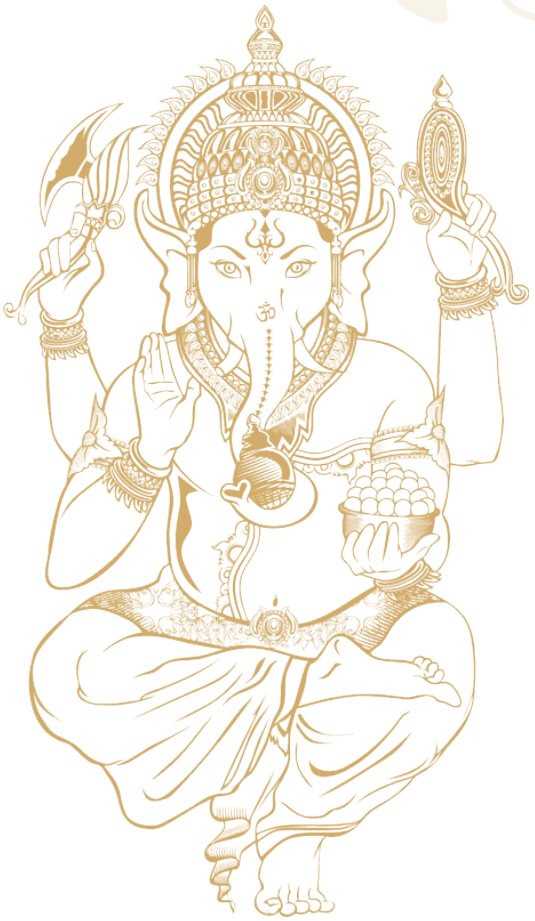

Taga ram

24 Jun 2010

06:45 AM

Balotra

Model: web-freekundliweb

Order No: 120857704

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/06/2010**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**06:45:00 घंटे**
इष्ट	02:16:08 घटी
स्थान	**Balotra**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:50:00 उत्तर
रेखांश	72:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:40:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:04:24 घंटे
वेलान्तर	-00:02:22 घंटे
साम्पातिक काल	00:12:46 घंटे
सूर्योदय	05:50:32 घंटे
सूर्यास्त	19:35:19 घंटे
दिनमान	13:44:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	08:26:50 मिथुन
लग्न के अंश	19:42:35 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	साध्य
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-नीरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:42:35	317:06:35	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			मिथु	08:26:50	00:57:13	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	09:50:39	13:00:58	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	नीच राशि
मंगल			सिंह	15:02:07	00:33:16	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध		अ	मिथु	02:58:47	02:09:47	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मीन	08:01:10	00:05:27	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	स्वराशि
शुक्र			कर्क	17:15:21	01:09:20	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
शनि			कन्या	04:19:17	00:02:25	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		धनु	17:56:30	00:01:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	नीच राशि
केतु	व		मिथु	17:56:30	00:01:08	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	नीच राशि
हर्ष			मीन	06:31:43	00:00:34	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
नेप	व		कुंभ	04:33:04	00:00:43	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	10:08:49	00:01:32	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
दशम भाव			मीन	09:28:25	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:29

लग्न-चलित

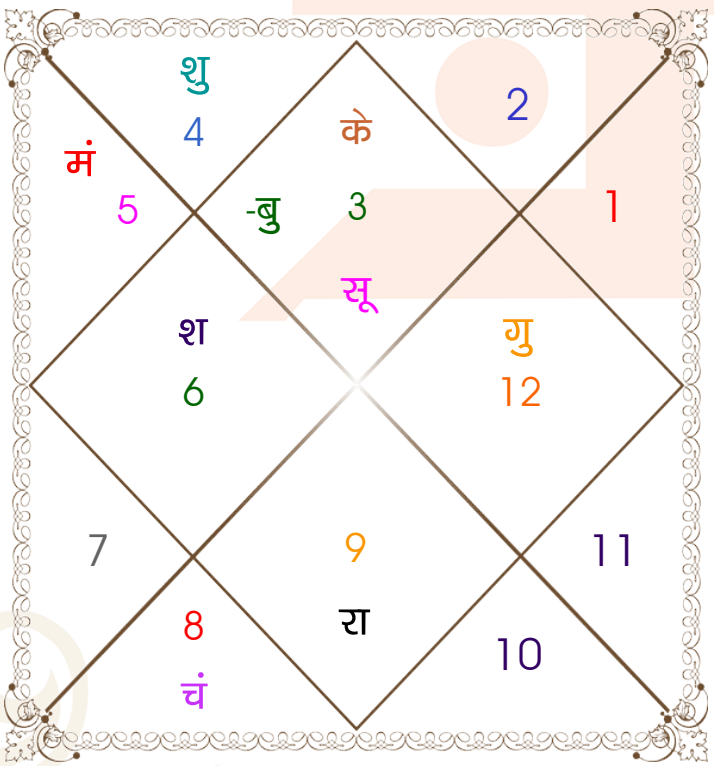

चन्द्र कुंडली

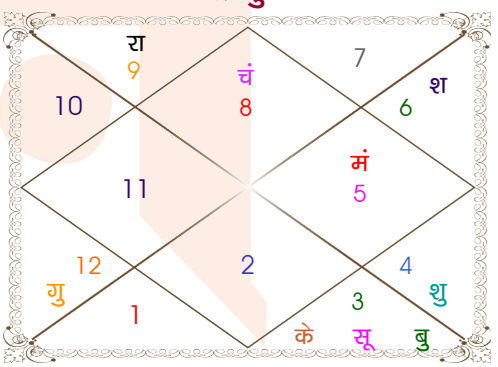

नवमांश कुंडली

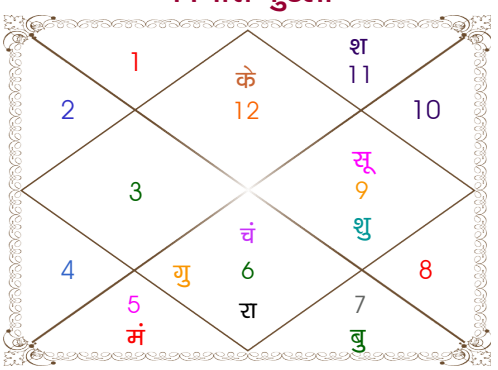

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 8 मास 20 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
24/06/2010		14/03/2020		14/03/2037		14/03/2044		14/03/2064	
14/03/2020		14/03/2037		14/03/2044		14/03/2064		14/03/2070	
	00/00/0000	बुध	10/08/2022	केतु	10/08/2037	शुक्र	14/07/2047	सूर्य	01/07/2064
	00/00/0000	केतु	08/08/2023	शुक्र	10/10/2038	सूर्य	14/07/2048	चंद्र	31/12/2064
	24/06/2010	शुक्र	07/06/2026	सूर्य	15/02/2039	चंद्र	14/03/2050	मंगल	08/05/2065
शुक्र	05/03/2011	सूर्य	14/04/2027	चंद्र	16/09/2039	मंगल	14/05/2051	राहु	02/04/2066
सूर्य	15/02/2012	चंद्र	12/09/2028	मंगल	12/02/2040	राहु	14/05/2054	गुरु	19/01/2067
चंद्र	16/09/2013	मंगल	10/09/2029	राहु	02/03/2041	गुरु	12/01/2057	शनि	01/01/2068
मंगल	26/10/2014	राहु	29/03/2032	गुरु	06/02/2042	शनि	14/03/2060	बुध	06/11/2068
राहु	31/08/2017	गुरु	05/07/2034	शनि	18/03/2043	बुध	13/01/2063	केतु	14/03/2069
गुरु	14/03/2020	शनि	14/03/2037	बुध	14/03/2044	केतु	14/03/2064	शुक्र	14/03/2070

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
14/03/2070		14/03/2080		15/03/2087		15/03/2105		15/03/2121	
14/03/2080		15/03/2087		15/03/2105		15/03/2121		00/00/0000	
चंद्र	13/01/2071	मंगल	10/08/2080	राहु	25/11/2089	गुरु	03/05/2107	शनि	18/03/2124
मंगल	14/08/2071	राहु	28/08/2081	गुरु	19/04/2092	शनि	14/11/2109	बुध	26/11/2126
राहु	12/02/2073	गुरु	04/08/2082	शनि	24/02/2095	बुध	19/02/2112	केतु	05/01/2128
गुरु	14/06/2074	शनि	13/09/2083	बुध	13/09/2097	केतु	25/01/2113	शुक्र	25/06/2130
शनि	13/01/2076	बुध	09/09/2084	केतु	01/10/2098	शुक्र	26/09/2115		00/00/0000
बुध	13/06/2077	केतु	05/02/2085	शुक्र	02/10/2101	सूर्य	15/07/2116		00/00/0000
केतु	12/01/2078	शुक्र	08/04/2086	सूर्य	27/08/2102	चंद्र	14/11/2117		00/00/0000
शुक्र	13/09/2079	सूर्य	13/08/2086	चंद्र	26/02/2104	मंगल	20/10/2118		00/00/0000
सूर्य	14/03/2080	चंद्र	15/03/2087	मंगल	15/03/2105	राहु	15/03/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 9 वर्ष 9 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।